नईदुनिया

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डालर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टाक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया। हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

मारुति फ्रोंक्स की 20,686 यूनिट्स की शानदार बिक्री

नई दिल्ली। मारुति फ्रोंक्स ने मई 2026 में देश के एसयूवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला माडल बनकर सभी को चौंका दिया। इस एसयूवी ने बीते महीने बिक्री में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इस काम्पैक्ट एसयूवी ने 20,686 यूनिट्स की शानदार बिक्री के साथ टाटा पंच, नेक्सन, हुंडई क्रेटा और महिंद्रा स्कार्पियो जैसी लोकप्रिय एसयूवी को पीछे छोड़ दिया। फ्रोंक्स की यह सफलता इसके आकर्षक डिजाइन, उन्नत फीचर्स और विश्वसनीय प्रदर्शन का परिणाम है, जो 6.85 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध है। मारुति फ्रोंक्स दो इंजन विकल्पों के साथ आती है: एक 1.0-लीटर टर्बो बूस्टरजेट इंजन, जो 5.3 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है, और एक एडवांस्ड 1.2-लीटर के-सीरीज डुअल जेट, डुअल वीवीटी इंजन जो स्मार्ट हाइब्रिड टेक्नोलाजी से लैस है। ये इंजन 6-स्पीड आटोमैटिक ट्रांसमिशन (पैडल शिफ्टर के साथ) या आटो गियर शिफ्ट विकल्प के साथ आते हैं और 22.89 किलोमीटर प्रति लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज प्रदान करते हैं। सुरक्षा के लिए, इसमें 6 एयरबैग, रियर व्यू कैमरा, हिल होल्ड असिस्ट, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), रिवर्स पार्किंग सेंसर, 3-पाइंट ईएलआर सीट बेल्ट और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज पाइंट जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाते हैं। इसके अलावा फ्रोंक्स में हेड-अप डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल, लेदर रैप्ड स्टीयरिंग व्हील, 16-इंच डायमंड कट अलाय व्हील, वायरलेस चार्जर, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम (एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट), रियर एसी वेंट्स, फास्ट यूएसबी चार्जिंग पाइंट और कनेक्टेड कार फीचर्स जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब, सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली। उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

नासिक। महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें।

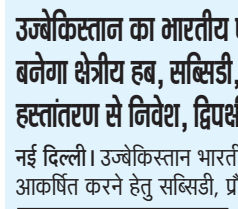

हुंडई आरा हुई महंगी, कीमत में 5,700 रुपये तक का इजाफा

नई दिल्ली

जून 2026 के लिए हुंडई ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेडान आरा की कीमतों में बदलाव किया है और साथ ही इसके कुछ वेरिएंट्स को बंद भी कर दिया है। आरा की कीमतों में अब 0.83 प्रतिशत या 5,700 रुपये तक का इजाफा किया गया है।हालाँकि अच्छी बात यह है कि कंपनी ने इसके शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

कंपनी ने आरा एस पेट्रोल-आटो (एएमटी) और ई सीएनजी-मैनुअल वेरिएंट को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। हुंडई आरा में 1.2-लीटर कप्पा पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे 5-स्पीड मैनुअल या आटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट के साथ जोड़ा गया है। यह इंजन 83 पीएस का पावर और 113.8 एनएम का पीक टार्क जनरेट करता है। इसके सीएनजी वर्जन में 1.2-लीटर बाय-फ्यूल पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 69 पीएस का पावर और 95.2 एनएम का पीक टार्क जनरेट करता है। हुंडई का दावा है कि इसका सीएनजी माडल 28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज दे सकता है। कंपनी इस कार पर 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी भी आफर कर रही है, जो प्रतिस्पर्धी मारुति डिजायर की वारंटी से बेहतर है। आरा फेसलिफ्ट में क्रूज कंट्रोल और बेस्ट-इन-सेगमेंट 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। नई एलईडी डीआरएल और कनेक्टेड डिजाइन के साथ एलईडी टेल लैंप इसके एक्सटीरियर को आकर्षक बनाते हैं। सुरक्षा के लिए, हुंडई ने आरा के फेसलिफ्ट वर्जन में 30 से ज्यादा नए सेफ्टी फीचर्स जोड़े हैं, जिनमें 4 एयरबैग स्टैंडर्ड और 6 एयरबैग का विकल्प, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट और हिल असिस्ट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए हैं। ग्राहक वारंटी को 7 साल तक बढ़ा सकते हैं।इसमें ईको कोटिंग टेक्नोलाजी, रियर एसी वेंट्स, इमरजेंसी स्टाप सिग्नल, कूल्ड ग्लाव बाक्स, फ्रेश ग्रे अपहोल्स्ट्री, फुटवेल लाइटिंग, टाइप सी फ्रंट यूएसबी चार्जर और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम शामिल हैं।

हुंडई क्रेटा मिडसाइज एसयूवी को जल्द मिलने वाली है कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा और निसान की ओर से हुंडई क्रेटा मिडसाइज एसयूवी को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। भारतीय बाजार में दोनों कंपनियां अगले कुछ हफ्तों में अपनी नई एसयूवी पेश करने जा रही हैं। टाटा सिएरा ईवी इसी महीने बाजार में दस्तक देने की उम्मीद है, जबकि निसान टेक्टान 9 जुलाई 2026 को लान्च होने वाली है। टाटा सिएरा ईवी का ग्राहकों को बेसब्री से इंतजार है और यह सीधे हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक को टक्कर देगी। टाटा ने पुष्टि की है कि सिएरा ईवी रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) और आल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) दोनों कान्फिगरेशन में उपलब्ध होगी। इसमें हैरियर ईवी जैसे 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक मिलने की उम्मीद है, साथ ही पंच ईवी की तरह एक इंटीग्रेटेड ड्राइव यूनिट (आईडीयू) भी हो सकती है। इसके डिजाइन में बाडी कलर क्लोज्ड ग्रिल, रिवाइज्ड बंपर और एयरो-आप्टिमाइज्ड अलाय व्हील्स जैसे विशिष्ट ईवी तत्व होंगे, साथ ही इंटीरियर में ईवी-विशिष्ट साफ्टवेयर अपडेट भी मिलेंगे। दूसरी ओर, निसान टेक्टान रेनो डस्टर का ही रीबैज्ड वर्जन है, लेकिन इसमें निसान की फ्लैगशिप पैट्रोल एसयूवी से प्रेरित एक अलग डिजाइन लैंग्वेज का उपयोग किया गया है। टेक्टान में पैट्रोल-प्रेरित चौड़ी ग्रिल, एलईडी हेडलाइट्स, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए डिजाइन के अलाय व्हील जैसे आकर्षक फीचर्स होंगे। हुंडई भी अपनी नेक्स्ट जेनरेशन क्रेटा को अगले साल लान्च करने की तैयारी में है, जिससे इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और बढ़ जाएगी। यह डस्टर के साथ अपना प्लेटफार्म और इंजन साझा करेगी, जिसमें 100 बीएचपी, 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 163 बीएचपी, 1.3 लीटर डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन के विकल्प मिलेंगे।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा ई और क्यूसी1 की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली

मई 2026 में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी अब तक की सबसे बेहतर मासिक बिक्री दर्ज की है। होंडा ने अपने दो इलेक्ट्रिक स्कूटर माडल, एक्टिवा ई और क्यूसी1 की संयुक्त रूप से 520 इकाइयों की बिक्री की। पहली बार ऐसा हुआ है जब होंडा ने एक महीने में 500 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचने में सफलता हासिल की है। कंपनी के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि मई 2025 में उसकी कुल बिक्री 383 इकाइयों तक सीमित थी।

इस तरह एक वर्ष के भीतर बिक्री में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पहले जुलाई 2025 में 461 इकाइयों की बिक्री कंपनी का सर्वोच्च मासिक प्रदर्शन था। हालांकि, होंडा की बिक्री अभी भी इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार की अग्रणी कंपनियों टीवीएस मोटर और बजाज आटो से काफी पीछे है, जिनकी मासिक बिक्री 35,000 से 40,000 इकाइयों के बीच रहती है।

इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में जापानी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा भी लगातार तेज हो रही है। वर्ष 2026 में अब तक होंडा ने 1,574 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं, जबकि सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया की बिक्री 1,515 इकाइयों तक पहुंची है। वहीं, यामाहा ने भी इस सेगमेंट में प्रवेश किया है, लेकिन उसकी बिक्री अभी शुरुआती स्तर पर है।

होंडा एक्टिवा ई में 3 किलोवाट घंटा क्षमता वाली दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जो एक बार चार्ज करने पर 102 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती हैं। इसकी अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा है। दूसरी ओर, क्यूसी1 में फिक्स्ड बैटरी पैक दिया गया है, जो 80 किलोमीटर तक की रेंज और 50 किलोमीटर प्रति घंटा की शीर्ष गति प्रदान करता है। कंपनी ने दोनों माडलों को मुख्य रूप से शहरी यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है।

मौसम की मार से मालदा के हिमसागर आम के निर्यात पर संकट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के प्रसिद्ध हिमसागर आम का निर्यात इस वर्ष मौसम की मार से संकट में है। लगातार बारिश और फिर बढ़े तापमान के कारण आमों पर काले धब्बे उभर आए हैं, जिससे बड़ी मात्रा में गुणवत्तापूर्ण फलों का निर्यात संभव नहीं हो पा रहा है। निर्यातकों के अनुसार ये धब्बे रोग संक्रमण के शुरुआती संकेत हैं। आमों को सुरक्षित रखने वाली बैगिंग तकनीक भी इस बार लगातार वर्षा और बाद में बढ़ी गर्मी के कारण अप्रभावी साबित हुई, जिससे फलों को भारी नुकसान पहुंचा। एक फूड प्रोडक्ट्स कंपनी ने बताया कि धब्बेदार फलों को विदेशी आयातक स्वीकार नहीं करते, जिसके चलते अमेरिका भेजी जाने वाली इस सीजन की पहली खेप को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यात आर्डर होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकि: उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। उनके अनुसार केवल लगभग 15 प्रतिशत बैग किए गए फल प्रभावित हुए हैं, और लाखों अन्य आम अभी भी निर्यात योग्य हैं। विदेशी बाजारों में हिमसागर की मांग मजबूत बनी हुई है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की कीमत घटी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,870 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई जोरदार कमजोरी के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 695.15 अंक यानी 1.35 प्रतिशत टूट कर 50,866.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 200.57 अंक यानी 2.64 प्रतिशत लुढ़क कर 7,383.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा, नैस्डेक 1,121.53 अंक यानी 4.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,709.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत यानी 50,798.51 अंक की गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 10,368.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,218.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा, डीएएक्स इंडेक्स 185.90 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,759.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 119.50 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,217 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 72.56 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,977.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत लुढ़क कर 1,571.32 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 371.71 अंक यानी 4.55 प्रतिशत फिसल कर 7,788.88 अंक के स्तर पर आ गया है।